BACKGROUNDERS
Press Information Bureau
Government of India

मॉडल यूथ ग्राम सभा

"लोकतंत्र की पाठशाला"

मुख्य उपलब्धियां

- मॉडल यूथ ग्राम सभा (एमवाईजीएस) छात्रों को जमीनी स्तर के लोकतंत्र में व्यावहारिक अनुभव से लैस करती है, जो नेतृत्व और नागरिक जुड़ाव बनाने के लए ग्राम सभा की वास्त वक प्र क्रयाओं का अनुकरण करती है।
- यह पंचायती राज प्रणाली के बारे में युवाओं की समझ को मजबूत करता है और स्थानीय शासन में पारद र्शता, समावेशन और जवाबदेही को बढ़ावा देता है।
- यह पहल छात्रों के बीच संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक चेतना को पो षत करके, उन्हें क्रयाशील नागरिकता के लए तैयार करके राष्ट्रीय शक्षा नीति (एनईपी) 2020 के साथ निकटता से तालमेल रखती है।
- प्र श क्षत शक्षकों और मानकीकृत मॉड्यूल के माध्यम से संर चत सु वधा उच्च गुणवत्ता वाले कार्यान्वयन और मापन-योग्य शक्षण के परिणाम सुनिश्चित करती है।
- यह कार्यक्रम लोकतांत्रिक जुड़ाव के लए संवाद, महत्वपूर्ण चंतन, टीम वर्क और आम सहमति कायम करने और निर्णय लेने जैसे आवश्यक जीवन कौशल वक सत करते हुए शासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देता है।

परिचय

भारत के गांव अपने लोकतंत्र की नींव बनाते हैं, जो वरासत, अर्थव्यवस्था और सामूहिक आकांक्षा का प्रतिनि धत्व करते हैं। **6.64 लाख से अ धक गांवों** में लगभग 65-70 प्रतिशत आबादी **रहती है**, ग्रामीण भारत की जीवन शक्ति **इसकी ग्राम सभाओं की ताकत** में निहित है। **अनुच्छेद 243 के** तहत **एक संवैधानिक निकाय** के रूप में, ग्राम सभा प्रत्यक्ष लोकतंत्र का प्रतीक है, जो गांव के प्रत्येक वयस्क निवासी को शासन में भाग लेने, वकास संबंधी प्राथ मकताओं पर वचार- वमर्श करने और **पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) की जवाबदेही सुनिश्चित** करने में सक्षम बनाती है। यह "जनता का, जनता द्वारा और जनता के लए" शासन की सच्ची भावना को दर्शाता है, जो जमीनी स्तर पर पारद र्शता, समावे शता और भागीदारी योजना को बढ़ावा देता है।

ग्रामीण शासन में इसकी महत्वपूर्ण भू मका के बावजूद, **ग्राम सभाओं में युवाओं की भागीदारी कम बनी हुई है, जिसका मुख्य कारण सी मत** जागरूकता, अपर्याप्त प्रदर्शन और सार्थक जुड़ाव के अवसरों की कमी है। भारत में दुनिया **की सबसे बड़ी युवा आबादी** है और

सामुदायिक वकास और स्थानीय शासन में हमारे युवाओं की सार्थक और उत्पादक भागीदारी भारत के लए वक सत भारत के अपने ष्टिकोण को प्राप्त करने की कुंजी है। उनकी भागीदारी जमीनी स्तर पर लोकतंत्र की नींव को मजबूत करेगी और समावेशी और प्रतिनि ध निर्णय लेने के लए बेहतर अवसरों का निर्माण करेगी।

छात्रों के बीच नागरिक चेतना को प्रोत्साहित करने और वक सत करने के लए, **पंचायती राज मंत्रालय** ने स्कूल शक्षा और साक्षरता वभाग **और** जनजातीय कार्य मंत्रालय **के साथ साझेदारी में** "मॉडल यूथ ग्राम सभा" (एमवाईजीएस) **की अवधारणा की है**, जो युवा नागरिकों के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों और सार्वजनिक जिम्मेदारी को पो षत करने के उद्देश्य से एक अ भनव नागरिक शक्षा पहल है।

सम्युलेटेड असेंब लयों के प्रारूप पर आधारित, एमवाईजीएस वशेष रूप से **जवाहर नवोदय वद्यालयों (जेएनवी)** और **एकलव्य मॉडल आवासीय वद्यालयों (ईएमआरएस) के छात्रों को** जमीनी स्तर पर लोकतंत्र के कामकाज के बारे में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करता है। **रोल-प्ले, चर्चा** और **निर्णय लेने के अभ्यास के माध्यम से, छात्र** वचार- वमर्श, आम सहमति-निर्माण **और** सहभागी शासन **की प्र क्रयाओं का अनुभव करते** हैं। यह अनुभवात्मक शक्षा न केवल स्थानीय स्वशासन के बारे में उनकी समझ को बढ़ाती है बल्कि लोकतांत्रिक संस्थानों के प्रति जवाबदेही, सहयोग और सम्मान की भावना भी पैदा करती है।

जेएनवी और ईएमआरएस क्या हैं?

जवाहर नवोदय वद्यालय (जेएनवी) राष्ट्रीय शक्षा नीति (1986) के तहत स्था पत आवासीय वद्यालय हैं जिनका उद्देश्य ग्रामीण प्रतिभाओं को सामने लाना है। वे प्रतिभाशाली ग्रामीण बच्चों को उनकी सामाजिक-आ थक पृष्ठभू म के बावजूद सांस्कृतिक, पर्यावरणीय और शारीरिक वकास सहित गुणवत्तापूर्ण आधुनिक शक्षा प्रदान करने के लए स्था पत कए गए हैं।

दूरदराज के क्षेत्रों में अनुसू चत जनजाति (अजजा) के छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च प्राथ मक, माध्य मक और वरिष्ठ माध्य मक स्तर की शक्षा प्रदान करने के लए एकलव्य मॉडल आवासीय वद्यालय (ईएमआरएस) स्था पत कए गए हैं ता क वे शक्षा में सर्वोत्तम अवसरों तक पहुंच सकें और उन्हें सामान्य आबादी के बराबर ला सकें।

73वें सं वधान संशोधन ने गांव, ब्लॉक और जिला स्तर पर शासन को सशक्त बनाने के लए त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की नींव रखी। वशेष रूप से मॉडल युवा ग्राम सभा जैसी पहलों के माध्यम से युवा दिमाग को इस ढांचे को समझने और उससे जुड़ने के लए प्रोत्साहित करके, मंत्रालय एक जागरूक और सशक्त पीढ़ी बनाने की कल्पना करता है जो लोकतांत्रिक भागीदारी, संवैधानिक आदर्शों और सामूहिक प्रगति को महत्व देती है।

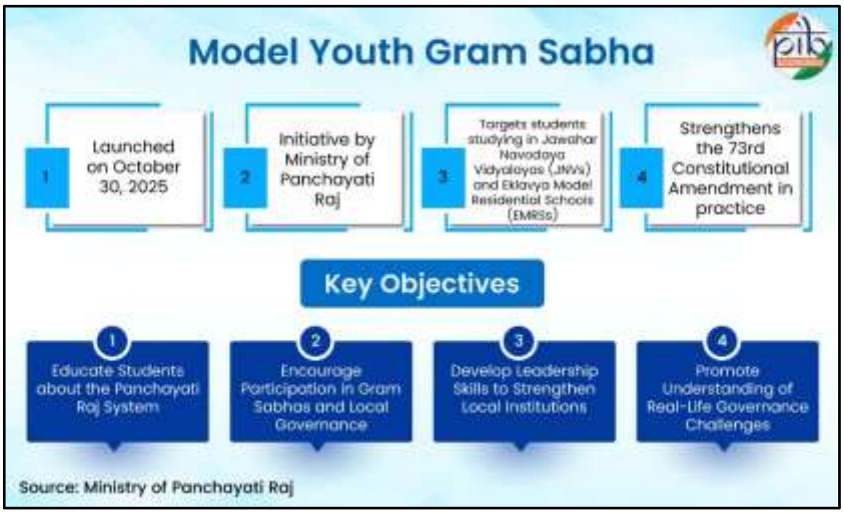

मॉडल यूथ ग्राम सभा पहल राष्ट्रीय शक्षा नीति (एनईपी) 2020 **के   ष्टिकोण के साथ   ढ़ता से जुड़ी हुई है**, जो छात्रों में राष्ट्रीय अपनेपन की एक मजबूत भावना के साथ-साथ मौ लक कर्तव्यों **और** संवैधानिक मूल्यों **के प्रति गहरा सम्मान पैदा करने के लए शै क्षक पाठ्यक्रम और शक्षाशास्त्र की आवश्यकता पर जोर देती** है। एनईपी 2020 तेजी से बदलती दुनिया में शक्षा र्थयों को उनकी भू मकाओं और जिम्मेदारियों को समझने के लए तैयार करने पर भी जोर देती है। इस नीति में युवाओं में **भारतीय होने पर गर्व** करने की कल्पना की गई है, जो उनके वचारों, कार्यों **और बुद् ध** में परिल क्षत होता है, जब क उन्हें ज्ञान, कौशल, मूल्यों और   ष्टिकोणों **से लैस करता है।   ये मानवा धकारों, सतत वकास और वैश्विक कल्याण को बढ़ावा देते हैं और अंततः उन्हें** जिम्मेदार और दयालु वैश्विक नागरिकों **के रूप में परिणत करते हैं।**

उद्देश्य

मॉडल यूथ ग्राम सभा छात्रों को सहभागी और अनुभवात्मक शक्षा के माध्यम से पंचायती राज संस्थानों की संरचना और कामकाज से परि चत कराती है। यह समावेशन, जवाबदेही और पारद र्शता के मूल्यों को बढ़ावा देते हुए सार्वजनिक संबोधन, महत्वपूर्ण   चंतन

और आम सहमति बनाने जैसे नागरिकों के नेतृत्व कौशल वक सत करता है। वास्त वक सामुदायिक मुद्दों पर वचार- वमर्श करने में युवाओं को शा मल करके, यह पहल जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों का पोषण करती है जो लोकतांत्रिक और वकासात्मक प्र क्रयाओं में स क्रय योगदान करते हैं। इसके प्रमुख उद्देश्य हैं:

1. **पंचायती राज व्यवस्था के बारे में छात्रों का शक्षण** - 73वें सं वधान संशोधन के माध्यम से स्था पत त्रिस्तरीय पंचायती राज से छात्रों को परि चत कराना।
2. **भागीदारी को प्रोत्साहन** - छात्रों को ग्राम सभाओं और स्थानीय शासन प्र क्रयाओं में शा मल होने के लए प्रेरित करना।
3. **नेतृत्व कौशल का वकास** - पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) को मजबूत करने के लए युवाओं के बीच जिम्मेदारी और नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देना।
4. **स्थानीय मुद्दों की समझ को बढ़ावा** - छात्रों को जमीनी स्तर पर वास्त वक जीवन की शासन चुनौतियों पर चर्चा और वश्लेषण करने के लए एक मंच प्रदान करना।

ष्टिकोण

मॉडल यूथ ग्राम सभा का ष्टिकोण "सशक्त, जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण युवा नागरिकों का पोषण करना है जो लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में स क्रय रूप से भाग लेते हैं और सतत और समावेशी राष्ट्रीय वकास में योगदान करते हैं।

एमवाईजीएस के मुख्य ष्टिकोण का उद्देश्य है:

- **युवाओं के बीच स क्रय, सहानुभूतिपूर्ण और जागरूक नागरिकता को बढ़ावा देना**, जो संवैधानिक मूल्यों और लोकतांत्रिक सद्धांतों में निहित है।
- **समावे शता, आम सहमति निर्माण, न्याय और समानता के मूल्यों को स्था पत करना**। छात्रों को सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्ति बनने के लए सशक्त बनाना।
- **छात्रों के बीच** महत्वपूर्ण जीवन कौशल जैसे नेतृत्व, भागीदारी, संवाद, महत्वपूर्ण सोच आदि का निर्माण करें।
- **स्थानीय शासन संरचनाओं और स्थानीयकृत सतत वकास लक्ष्यों** के बारे में जागरूकता को मजबूत करना।
- **छात्रों को राष्ट्रीय एकता और वकास के लए प्रतिबद्ध** और सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यक्ति बनने के लए सशक्त बनाना।

एक आदर्श यूथ ग्राम सभा की वशेषता

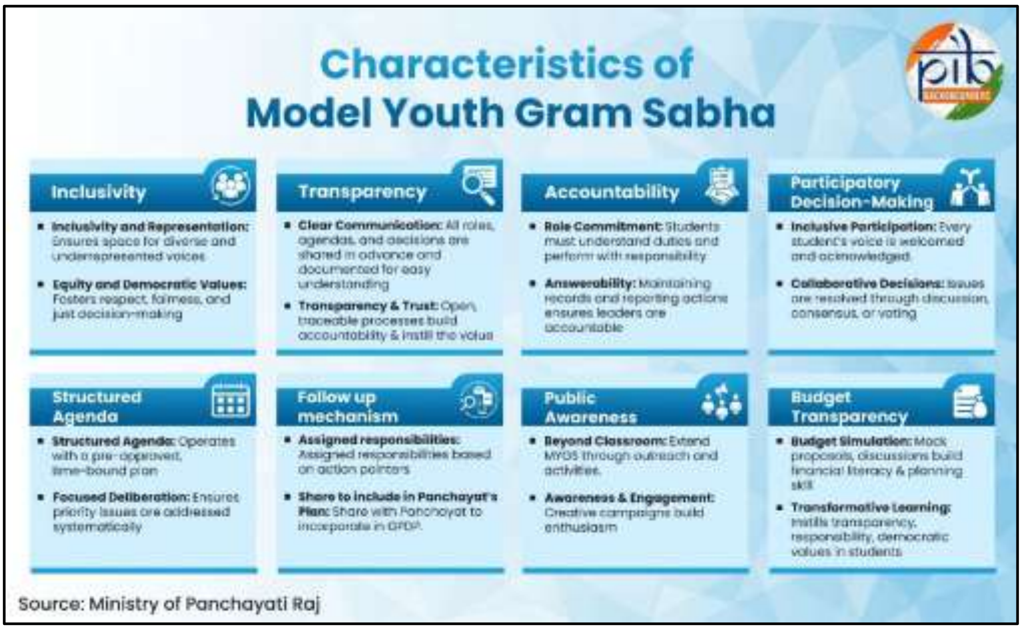

एक मॉडल ग्राम सभा/ग्राम पंचायत बैठक

मॉडल ग्राम सभा की गति व ध में, छात्र **वास्त वक दुनिया के स्थानीय शासन** का अनुकरण करने के लए **व भन्न भू मकाएं निभाते हैं।**

कुछ छात्रों को पद धारकों **के रूप में ना मत कया जा सकता** है, जैसे **सरपंच, वार्ड सदस्य,** या **अध्यक्ष,** जब क अन्य स्थायी स मतियों, **पंचायत** पदा धकारियों **(जैसे स चव, पीडीओ, या सहायक), फ्रंटलाइन** कार्यकर्ता **(जैसे आशा, एडब्ल्यूडब्ल्यू, या रोजगार सहायक), या** लाइन वभागों के अ धकारियों का **प्रतिनि धत्व कर सकते हैं।** जिसमें ग्रामीण वकास, स्वास्थ्य और महिला एवं बाल वकास शा मल हैं। छात्रों के समूह **अपने समुदाय- व शष्ट चंताओं को व्यक्त करने के लए ग्राम पंचायत के** व भन्न सामाजिक वर्गों का भी प्रतिनि धत्व करते हैं।

बैठक की प्र क्रया में अ ग्रम तैयारी शा मल है, जैसे एजेंडे को प्रसारित करना, निर्धारित बैठक से कम से कम दस दिन पहले बैठक के नोटिस जारी करना और बैठक के ववरण को व्यापक रूप से प्रसारित करना। **बैठक के दौरान**, सरपंच परिचय के साथ नेतृत्व करते हैं, इसके बाद पछले निर्णयों, कार्य-प्रगति, नए एजेंडे और कार्य योजना को अंतिम रूप देने पर प्रस्तुतियां दी जाती हैं। इसके अलावा, वे वत्तीय प्रबंधन पर चर्चा की सु वधा प्रदान करते हैं, जिसमें बजट को अंतिम रूप देना, उपलब्ध नि धयों का मूल्यांकन, प्रस्ता वत कार्यों का अनुमान और वत पोषण की कमी की पहचान करना शा मल है। वे अतिरिक्त वत्तीय संसाधन जुटाने के लए संभा वत स्रोतों का भी पता लगाते हैं। छात्र स्थानीय राजस्व सृजन के लए नवीन वचारों का प्रस्ताव करके इन क मयों को दूर करने पर स क्रय रूप से वचार- वमर्श करते हैं।

निर्णय प्र क्रया में प्रमुख प्रस्तावों पर मतदान शा मल है, जिसके बाद सरपंच प्रस्तावों का सारांश प्रस्तुत करता है। सत्र का समापन मनट रिकॉर्डर द्वारा औपचारिक प्रस्तावों का मसौदा तैयार करने और सरपंच द्वारा बैठक के समापन के साथ होता है।

कार्यान्वयन की पहल

मार्च-अप्रैल 2025 में **चयनित जवाहर नवोदय वद्यालयों और ईएमआरएस में एक पायलट मॉडल ग्राम सभा/ग्राम पंचायत आयोजित की गई थी।** **मॉडल ग्राम सभा/ग्राम पंचायत की** संरचना के **साथ-साथ इन बैठकों** के आयोजन की प्र क्रया को कवर करते हुए एक प्रारूप प्रदान कया गया था। उपरोक्त संरचना को **बेहतर समझ के लए** एक लघु वी डयो के रूप में भी उपलब्ध कराया गया।

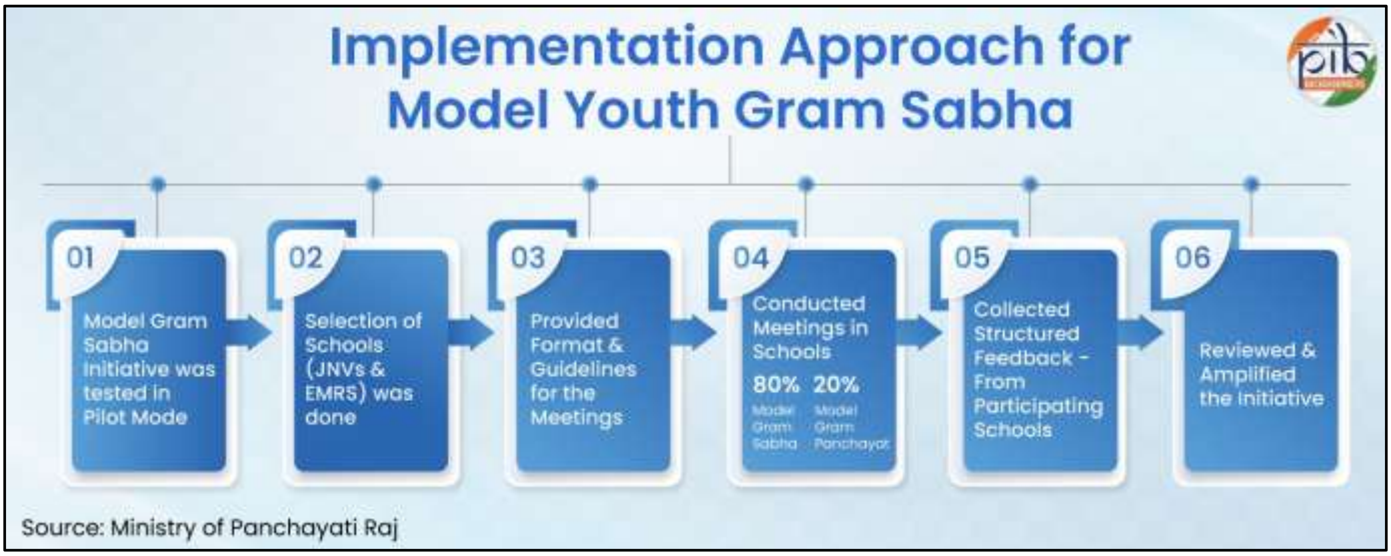

20 प्रतिशत स्कूलों में **मॉडल ग्राम पंचायत की बैठकें** आयोजित की गईं और **80 प्रतिशत स्कूलों में** मॉडल ग्राम सभा की बैठकें **आयोजित की गईं।** एक बार जब इन बैठकों का सफलतापूर्वक आयोजन कया गया, तो **भाग लेने वाले स्कूलों से मूल्यांकन के लए संर चत वचार एकत्र कए गए**, जिसके आधार पर **मानक संचालन प्रोटोकॉल (एसओपी) में आवश्यक संशोधन** कया गया और पहल को और बढ़ाने के लए उसका वस्तार कया गया।

यह पहल एक सुव्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ रही है जैसा क कालक्रम में उल्लि खत है।

- जुलाई 2025 में, **व भन्न स्कूलों** की पहचान की गई। इसके बाद **जुलाई-अगस्त 2025 के दौरान** 200 मास्टर प्र शक्षकों और शक्षकों **के लए एक** ओरिएंटेशन कार्यक्रम **आयोजित कया गया ता क** उन्हें आगामी गति व धयों के लए तैयार कया जा सके।
- इसके बाद, **अगस्त- सतंबर 2025 के दौरान** बागपत **(उत्तर प्रदेश) और** अलवर **(राजस्थान)** जैसे चन्हित स्कूलों में मॉक **ग्राम सभा सत्र आयोजित कए गए**, जिससे छात्रों को स्थानीय शासन प्र क्रयाओं के बारे में व्यावहारिक जानकारी मली।
- इसके अलावा, **अक्टूबर-नवंबर 2025** में **पांच क्षेत्रों में** क्षेत्रीय प्रतियो गताएं **आयोजित की जा रही हैं**, जिससे **दस फाइन लस्ट टीमों** (जेएनवी से पांच और ईएमआरएस से पांच) का चयन कया जा रहा है।
- इस पहल का समापन **दिसंबर 2025 में एक राष्ट्रीय प्रतियो गता** में होगा, जहां **दस फाइन लस्ट में से शीर्ष तीन टीमों को** उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लए सम्मानित कया जाएगा।

मॉडल यूथ ग्राम सभा मॉड्यूल

मॉडल यूथ ग्राम सभा मॉड्यूल एक व्यापक संरचना के रूप में कार्य करता है जिसे स्कूलों के भीतर सहभागी लोकतंत्र के ष्टिकोण को व्यवहार में बदलने के लए डजाइन कया गया है। यह शक्षकों और छात्रों को संर चत मार्गदर्शन, सु वधा उपकरण और मूल्यांकन प्रणाली से लैस करके युवाओं के नेतृत्व वाली ग्राम सभाओं का प्रभावी, आकर्षक और उच्च गुणवत्ता वाला कार्यान्वयन सुनिश्चित करता है।

मूलतः एमवाईजीएस मॉड्यूल एमएलआईपी **फ्रेमवर्कः मीनिंग (अर्थ), लर्निंग (शक्षण), जॉय (खुशी) और प्राइड (गौरव) द्वारा निर्दे शत है**, जो उद्देश्यपूर्ण जुड़ाव, अनुभवात्मक शक्षा और नागरिक सशक्तिकरण में सभी गति व धयों को साकार करता है।

मॉड्यूल को तीन परस्पर जुड़े घटकों **में वभाजित कया गया है**:

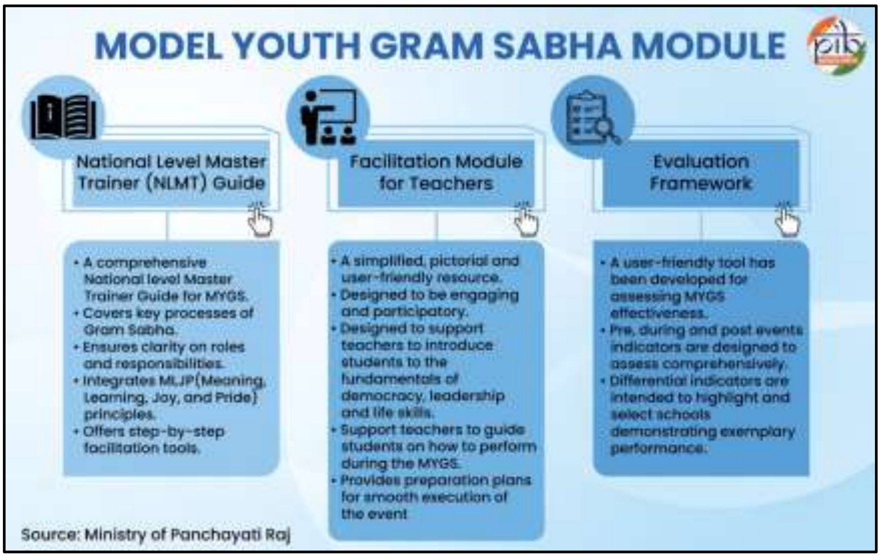

1. राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर (एनएलएमटी) गाइड

एमवाईजीएस के लए राष्ट्रीय स्तर के मास्टर ट्रेनर (एनएलएमटी) गाइड ग्राम सभा प्र क्रयाओं का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है और सु वधाकर्ताओं की भू मकाओं और जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। इसमें एमएलआईपी (अर्थ, शक्षण, खुशी और गौरव) सद्धांत शा मल हैं और इसमें प्रभावी और आकर्षक सु वधा का समर्थन करने के लए चरण-दर-चरण उपाय शा मल हैं।

2. शक्षकों के लए प्र शक्षण मॉड्यूल की सु वधा

शक्षकों के लए सु वधा मॉड्यूल एक सरलीकृत, स चत्र और उपयोगकर्ता के अनुकूल संसाधन है जिसे शक्षण को आकर्षक और सहभागी बनाने के लए डजाइन कया गया है। यह शक्षकों को छात्रों को लोकतंत्र, नेतृत्व और जीवन कौशल के मूल सद्धांतों से परि चत कराने में मदद करता है, साथ ही उन्हें एमवाईजीएस में प्रभावी ढंग से भाग लेने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन देता है। मॉड्यूल आयोजन के सुचारू निष्पादन को सुनिश्चित करने के लए तैयारी योजना भी प्रदान करता है।

3. मूल्यांकन संरचना

मूल्यांकन संरचना एक उपयोगकर्ता-अनुकूल उपाय है जिसे घटना से पहले, उसके दौरान और बाद में मापे गए संकेतकों के माध्यम से एमवाईजीएस की प्रभावशीलता का आकलन करने के लए डजाइन कया गया है। इसमें अनुकरणीय प्रदर्शन प्रद र्शत करने वाले स्कूलों की पहचान करने और उन्हें मान्यता देने के लए संकेतक भी शा मल हैं।

साथ ही, ये मॉड्यूल स्कूल-आधारित नागरिक शक्षा **के लए एक समग्र इको- सस्टम बनाते** हैं, जो कक्षाओं को लोकतांत्रिक तौर-तरीके के एक सूक्ष्म परिवेश में बदल देते हैं। वे छात्रों को शासन का **प्रत्यक्ष अनुभव करने**, नेतृत्व और संवाद कौशल का निर्माण करने के साथ ही पारद र्शता, समावेशन और जवाबदेही के लए आजीवन सम्मान पैदा करने के लए सशक्त बनाते हैं, जो भारत के लोकतांत्रिक ताने-बाने के मूल मूल्य हैं।

भागीदार छात्रों और स्कूलों की फं डंग और मान्यता

- प्रत्येक मॉक ग्राम सभा के आयोजन के लए एकमुश्त वत्तीय सहायता के रूप में प्रत्येक भागीदार स्कूलों को 20,000 रुपये **की रा श** प्रदान की जाएगी। इस नि ध का उपयोग सभा की व्यवस्था में कया जा सकता है, जिसमें लॉजिस्टिक सहायता और जलपान शा मल है।
- भागीदार छात्रों को पंचायती राज मंत्रालय की ओर से **प्रशंसा प्रमाणपत्र** प्रदान कए जाएंगे, जो उन्हें लोकतांत्रिक शासन में स क्रय रु च लेने के लए प्रेरित करेंगे। व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले स्कूलों** को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता दी जाएगी।
- क्षेत्रीय स्तर पर वजेता टीम के लए एक टोकन नकद पुरस्कार है। इस फंड का उपयोग स्कूल के वकास के लए कया जा सकता है।
- केंद्रीय स्तर पर 3 वजेता टीमों को भारी नकद पुरस्कार दिए जाएंगे। इस फंड का उपयोग स्कूल के वकास के लए कया जा सकता है।
- मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर की प्रतियो गता के लए चुनी गई टीमों के लए लॉजिस्टिक का भी समर्थन करेगा।

अपे क्षत परिणाम

इस पहल से निम्न ल खत परिणामों की परिकल्पना की गई है, जिसका उद्देश्य लोकतांत्रिक मूल्यों और स्थानीय शासन में युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना है:

- **भागीदारी को बढ़ावा** - छात्रों को स्थानीय शासन में स क्रय रूप से संलग्न होने और जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं को समझने के लए प्रोत्साहित करना।
- **युवा नेतृत्व को बढ़ावा** - युवाओं को स्थानीय निकायों में नेतृत्व की भू मका निभाने और अपने समुदायों में सार्थक योगदान करने के लए प्रेरित करना।
- **युवा आवाजों को सशक्त बनाना** - छात्रों को स्थानीय मुद्दों पर अपने वचार व्यक्त करने के लए एक मंच प्रदान करना, जागरूक चर्चाओं और समाधानों को बढ़ावा देना।
- **युवाओं को** अपनी ग्राम पंचायतों के भीतर निर्णय लेने की प्र क्रयाओं में **स क्रय रूप से भाग लेने** के लए प्रोत्साहित करना।

समापन

मॉडल ग्राम सभा सहभागी शासन के प्रति युवा दिमागों के ष्टिकोण और जिम्मेदारियों को आकार देने में महत्वपूर्ण भू मका निभाएगी। जागरूकता, नेतृत्व और जुड़ाव को बढ़ावा देकर, इस पहल का उद्देश्य युवाओं और स्थानीय शासन के बीच की खाई को पाटना है, यह सुनिश्चित करना है क अगली पीढ़ी भारत की लोकतांत्रिक और वकासात्मक यात्रा में योगदान करने के लए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

संदर्भ

पंचायती राज मंत्रालय

शक्षा मंत्रालय

https://dsel.education.gov.in/nvs

जनजातीय कार्य मंत्रालय

https://sansad.in/getFile/annex/259/AU2536.pdf?source=pqars

पीके/केसी/एसकेएस/जीआरएस

(Release ID: 2184163)